

















# फालतू है कुंभ, कोई मतलब नहीं

## लालू के बयान पर सियासी पारा हाई, एनडीए ने दिया तगड़ा जवाब

एजेंसी



**पटना।** नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में 18 लोगों की मौत पर अपना रिएक्शन देते पूर्व रेल मंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने कुंभ स्नान को लेकर ऐसा विवादास्पद बयान दिया कि सियासत सुलग गई। लालू यादव ने पहले कहा कि रेलवे के मिस मैनेजमेंट से भगदड़ मची और इतने लोगों की मौत हो गई। इसकी जिम्मेवारी लेते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को इस्तीफा दे देना चाहिए। उसके बाद कुंभ मेला को ही फालतू बता दिया। राजद सुप्रीमो के बयान पर एनडीए के घटक दलों ने जोरदार पलटवार किया है। बीजेपी के प्रभाकर मिश्रा, जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने लालू यादव को हादसे पर राजनीति नहीं करने की

नसीहत दी है। आरएलएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने तो लालू यादव को बूढ़ा बताते हुए कानूनी कार्रवाई की बात कह दी है। बयान के लिए लालू यादव को ट्रोल् भी किया जा रहा है। इधर भगदड़ की हाई लेवल जांच शुरू हो गयी है। नई दिल्ली स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज को

एनडीए ने तगड़ा जवाब दिया है। बीजेपी के प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा ने पूछा है कि राबड़ी देवी जब छठ करती हैं तो गंगा में डूबकी नहीं लगाती हैं? काशी विश्वनाथ में दर्शन करने उनका परिवार नहीं जाता है? इसी वर्ष उनके लाखों अनुयायी कुंभ स्नान करने गए। लालू यादव ने उन सबका अपमान कर दिया। जेडीयू प्रका अरविंद निषाद ने लालू यादव पर हमला करते हुए कहा कि लालू जी जब रेल मंत्री रह चुके हैं। उनके समय भी एक हजार लोगों की मौत हुई थी। यह एक दुर्घटना है जिसपर राजनीति करना गलत बात है। रेलवे के साथ हिंदू सभ्यता, संस्कृति और सनातन पर सवाल खड़े करना उचित नहीं है। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा ने भी लालू यादव पर बड़ा हमला किया है।

## नई दिल्ली रेलवे स्टेशन हादसा रेलवे मंत्रालय की लापरवाही का नतीजा: मान



एजेंसी

**चंडीगढ़।** पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार को मची भगदड़ के दौरान हुई यात्रियों की मौत दुःख व्यक्त करते हुए इसे रेलवे मंत्रालय की लापरवाही का नतीजा बताया है। भगवंत मान ने रविवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक संदेश में कहा, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर बीती रात मची भगदड़ के

दौरान यात्रियों की मौत की दुखद खबर मिली। दुखद घटना में जान गंवाने वाले यात्रियों की आत्मिक शांति के लिए परमात्मा से प्रार्थना करते हैं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं। यह हादसा रेलवे मंत्रालय की लापरवाही का नतीजा है। अफसोस की बात है कि देश की राजधानी में लोगों की कीमती जान की कोई परवाह नहीं की जा रही।

## अफ्रीकी देशों से 17 अफगान कैदी रिहा

**काबुल।** अफ्रीकी देशों में कैद कुल 17 अफगान कैदियों को मुक्त कर दिया गया है और वे अपनी मातृभूमि अफगानिस्तान लौट आए हैं। विदेश मंत्रालय ने शनिवार देर रात यह जानकारी दी। मंत्रालय के उप प्रवक्ता हाफिज जिजा अहमद ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट में कहा, काहिरा में अफगानिस्तान के दूतावास ने मिश्र, मोरक्को, लीबिया, सूडान और मॉरिटानिया सहित कई अफ्रीकी देशों की जेलों से 17 अफगान नागरिकों की रिहाई में सफलतापूर्वक मदद की है। श्री अहमद ने घोषणा की कि विभिन्न कारणों से अफगान नागरिकों को उक्त देशों में कैद किया गया। इससे पहले पिछले साल सितंबर में जेल प्रशासन के कार्यवाहक प्रमुख मोहम्मद युसुफ मुस्तरी ने संकेत दिया था कि वर्तमान में आठ हजार से नौ हजार अफगान नागरिक देश के बाहर कैद में हैं।

## सब सोच रखा है तो हमारी जरूरत ही क्या है आर-पार के मूड में अनिल विज, अन्याय पर भड़के

एजेंसी

**चंडीगढ़।** अंबाला नगर परिषद के चुनाव में पार्षदों के टिकट बंटवारे को लेकर मची कलह तेज होती जा रही है। अंबाला कैंट से विधायक और भाजपा के वरिष्ठ मंत्री अनिल विज अपने 15 समर्थकों को टिकट न मिलने से भड़के हुए हैं। उनके समर्थकों ने यहां तक कह दिया है कि यदि लोकल यूनिट की बात को खारिज कर हाईकमान के लेवल से ही सब तय हो रहा है तो फिर हमारी जरूरत ही क्या है। एक समर्थक ने कहा कि कुल 32 नामों का ऐलान हुआ है, जिनमें से 15 लोग तो ऐसे हैं, जिनकी सिफारिश स्थानीय स्तर पर किसी भी नेता ने नहीं की थी। इस पर अनिल विज भड़क गए हैं और उनका



कहना है कि क्या मैं विदेश चला जाऊं, जब कोई सुनवाई ही नहीं हो रही है। शुरुआत को देर रात लिस्ट जारी हुई तो हलचल तेज हो गई। अनिल विज के समर्थक उनके घर पहुंचने लगे। यही

नहीं शनिवार को भी यह हलचल जारी रहा और अब रविवार को भी उनके यहां समर्थकों का हजूम उमड़ा पड़ा है। स्थानीय कार्यकर्ता, नेता, बूथ और मंडलों के अध्यक्ष उनसे मिलने

## पूर्व विधायक की मारपीट के बाद मौत

**बेलगावी।** कर्नाटक के बेलगावी में गोवा के पूर्व विधायक और सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी लरू ममलतदार (68) पर एक ऑटो चालक द्वारा कथित तौर पर हमला किए जाने के कुछ ही मिनटों बाद उनकी मौत हो गई है। यह पूरा विवाद सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गया, जो अब सामने आया है जिससे मामले की गंभीरता और बढ़ गई है। श्री ममलतदार पणजी से लगभग 120 किलोमीटर दूर बेलगावी में एक व्यावसायिक यात्रा पर गए थे और वहां उनका एक ऑटो चालक से एक दुर्घटना को लेकर विवाद हो गया। पुलिस के अनुसार विवाद इतना बढ़ गया कि ऑटो चालक ने श्री ममलतदार पर कई बार शारीरिक हमला किया। श्री ममलतदार कुछ ही देर बाद एक होटल की सीढ़ियों पर गिर गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें भर्ती करने से पहले मृत घोषित कर दिया गया। बेलगावी पुलिस ने आरोपी ऑटो चालक को हिरासत में ले लिया है और आगे की जांच कर रही है। गोवा और अन्य जगहों पर राजनीतिक हलकों में पूर्व विधायक की दुखद मौत पर प्रतिक्रिया व्यक्त की गई है।

## केटीआर ने कांग्रेस पर गुरुकुलों की अपेक्षा करने का लगाया आरोप

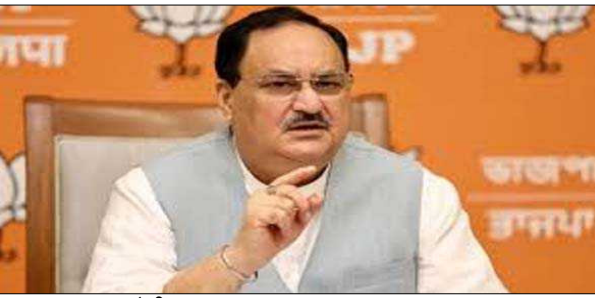
एजेंसी

**हैदराबाद।** भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष व पूर्व मंत्री के. टी. रामाराव (केटीआर) ने कांग्रेस सरकार की कड़ी आलोचना की है और उस पर तेलंगाना के गुरुकुल संस्थानों की अपेक्षा करने का आरोप लगाया है। श्री रामाराव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा कर आरोप लगाया कि कांग्रेस शासन के महज एक साल के भीतर ये संस्थान अव्यवस्था में आ गए हैं, जिससे हाशिये पर पड़े हजारों छात्रों का भविष्य खतरे में पड़ गया है। श्री केटीआर ने मुख्यमंत्री ए.रेवंत रेड्डी पर जानबूझकर गुरुकुल प्रणाली को खत्म करने का आरोप लगाया, जो दलित, आदिवासी, पिछड़े वर्ग और अल्पसंख्यक बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए स्थापित की गई थी। उन्होंने दावा किया कि इन संस्थानों को बनाए रखने में कांग्रेस सरकार की विफलता केसीआर (बीआरएस प्रमुख व पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव) की

विरासत को मिटाने के उसके प्रयास को दर्शाती है। आवेदन में भारी गिरावट पर प्रकाश डालते हुए, श्री केटीआर ने बताया कि बीआरएस सरकार के दौरान, अनुसूचित जाती, जनजाति, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक गुरुकुलों में 41,000 सीटों के लिए 1.68 लाख छात्रों ने आवेदन किया था। इसके विपरीत, कांग्रेस प्रशासन के तहत, 51,000 सीटों के लिए केवल 80,000 आवेदन प्राप्त हुए हैं इससे यह पता चलता है कि 80,000 से अधिक माता-पिता ने सरकार में विश्वास खो दिया है। श्री केटीआर ने अफसोस जताया कि गुरुकुल कभी छात्रों के लिए शीघ्र पसंद थे, लेकिन अब वे आवेदकों को आकर्षित करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने इस बदलाव के लिए खतरनाक घटनाओं को जिम्मेदार ठहराया, जिनमें भूख, सांघे के काटने, आत्महत्या और खाद्य विषाक्तता के कारण 50 से अधिक छात्रों की मौत की खबरें शामिल हैं, इन मामलों ने माता-पिता के बीच गंभीर सुरक्षा चिंताएं बढ़ा दी हैं। उन्होंने टिप्पणी की,

माता-पिता अब अपने बच्चों की शिक्षा से ज्यादा उनके जीवन को लेकर चिंतित हैं। इसके अलावा, उन्होंने दुखी परिवारों के प्रति उदासीनता के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की, जनजाति, पिछड़ा वर्ग और विधायक उन्हें सात्वना देने में विफल रहे और इसके बजाय बीआरएस नेताओं को उन तक पहुंचने से रोकने का प्रयास किया। केटीआर ने कहा कि कैसे गुरुकुल के छात्र कभी चिकित्सा और इंजीनियरिंग में अपना करियर बनाते थे, लेकिन अब उन्हें कांग्रेस सरकार की दूरदर्शिता की कमी के कारण उनके लिए अनिश्चित भविष्य का डर है। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर भेदभावपूर्ण नीतियों और लापरवाही के माध्यम से जानबूझकर गुरुकुल प्रणाली को कमजोर करने का आरोप लगाया। श्री केटीआर ने कहा कि गुरुकुलों में जनता का विश्वास तेजी से कम होना कांग्रेस सरकार के अधूरे वादों का प्रतिबिंब है। उन्होंने इन संस्थानों को उनके पूर्व गौरव पर बहाल करने के लिए तत्काल सुधारनात्मक कार्रवाई की मांग की।

## नड्डा ने संगठनात्मक चुनावों को लेकर महासचिवों के साथ राजधानी में की बैठक



एजेंसी

**नयी दिल्ली।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने संगठनात्मक चुनावों और अन्य विषयों पर शनिवार शाम को पार्टी के राष्ट्रीय महासचिवों के साथ एक बैठक की। पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय पर आयोजित इस बैठक में सर्वश्री डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल, बंदी संजय कुमार, सुनील बंसल, विनोद तावडे, तरुण चुग, दुष्यंत कुमार गौतम, अरुण सिंह और राम माधव शामिल थे। पार्टी सूत्रों ने बताया कि शाम को हुई यह बैठक देर रात तक चली। सूत्रों ने बताया कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में पार्टी की

ऐतिहासिक जीत से बैठक में बड़े उत्साह का वातावरण था। भाजपा ने हाल ही में हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए 48 सीटों पर जीत दर्ज कर 27 साल पर केंद्र शासित प्रदेश की सत्ता में वापसी करने जा रही है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कल देर रात विदेश यात्रा से वापस आने के बाद दिल्ली में नयी सरकार के गठन को लेकर दिल्ली प्रदेश भाजपा में सरगमियां तेज हो गयी। पार्टी विधायक दल की अभी पहली बैठक की कोई तिथि घोषित नहीं की गयी और न ही इसके लिए अभी कोई पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है।

## एलएनजेपी अस्पताल जाकर घायलों से मिले सचदेवा

**नयी दिल्ली।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली प्रदेश इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने लोक नाटक जटप्रकाश नारायण अस्पताल में नयी दिल्ली रेलवे जंक्शन पर हुए हादसे में घायल लोगों से मिले और उनसे बातचीत की। श्री सचदेवा शनिवार को देर रात नयी दिल्ली रेलवे जंक्शन भी पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने डाक्टरों और अधिकारियों से बात की है और उन्होंने घायलों का उचित इलाज कराने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने बताया कि जहां दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव ने कुछ अलग-अलग अस्पतालों में चिकित्सा दल की इंट्री लगा दी है, वहीं रेलवे को प्रतापराज के लिए तीन विशेष ट्रेन शुरू की है।